Hindi Murli Quiz 23-04-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **"साधू-सन्त ऋषि-मुनि आदि सब साधना करते हैं। साधना की जाती है भगवान से मिलने की। इसलिए जब तक उनका परिचय न हो तब तक तो वह मिल नहीं सकते। तुम जानते हो बाप का परिचय दुनिया में कोई को भी नहीं है। देह का परिचय तो सबको है। बड़ी चीज़ का परिचय झट हो जाता है। आत्मा एक स्टॉर है और बहुत सूक्ष्म है। उनको कोई देख नहीं सकते। आत्मा का परिचय तो जब बाप आये तब समझाये।"**

A. False

B. True

Q.2) **शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही आपस में मिलाएं ---**

	Choice	Match
A	यह रूहानी हॉस्पिटल तुम्हें आधाकल्प के लिए एवरहेल्दी बनाने वाली है,	यहाँ तुम देही-अभिमानी होकर बैठो |
B	बाप की याद के लिए कोई ये नहीं कह सकता कि फुर्सत नहीं,	क्योंकि सब कुछ करते भी याद में रह सकते हो।
C	आत्मा और शारीर दो चीजें हैं,	आत्मा तो है अविनाशी, शरीर है विनाशी ।
D	तुम्हारे मुख्य चित्र हैं,	यह त्रिमूर्ति, गोला और झाड़ के चित्र ।
E	अभी है कलियुग का अन्त और है भी प्रजा का प्रजा पर राज्य,	अभी राजाई तो है नहीं, कितना फर्क है।

Q.3) **"मकान बनाने की साइन्स का कितना ज़ोर है, सब कुछ तैयार मिलता है- झट फ्लैट तैयार। बहुत जल्दी-जल्दी बनते हैं तो यह सब साइंस वाले वहाँ काम में तो आते हैं ना। यह सब सतयुग साथ चलने हैं। संस्कार तो रहते हैं ना। यह साइंस के संस्कार भी चलेंगे।"**

A. False

B. True

Q.4) **शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

	Choice	Match
A	भृकुटी के बीच में आत्मा (अकालमूर्त) विराजमान होती है,	इसको कहा जाता है अकालतख्त।
B	तुम हो रूप-बसन्त।	तुम्हारे मुख से पत्थर नहीं निकलने चाहिए।
C	दस भुजाओं वाला, हाथी की सूँढ़ वाला -यह सब है भक्ति मार्ग की सामग्री।	वास्तव में भक्ति होनी चाहिए एक शिवबाबा की, जो सबका सद्गति दाता है।
D	जो अच्छा पुरूषार्थ करते हैं वह राजा-रानी बन जाते हैं,	जो पुरूषार्थ नहीं करते वह गरीब बन जाते हैं।
E	तकदीर में नहीं है,	तो तदबीर कर नहीं सकते।

Q.5) **"अब तुम यह जानते हो ऊंच ते ऊंच भगवान है। मनुष्य कहते भी हैं बरोबर ऊंच ते ऊंच है, परन्तु फिर बोलो उनकी बायोग्राफी बताओ तो कह देंगे सर्वव्यापी है। बस एकदम नीचे कर देते हैं। अब तुम समझा सकते हो सबसे ऊंचे ते ऊंच है भगवान, वह है मूलवतन वासी। सूक्ष्मवतन में हैं देवतायें। यहाँ रहते हैं मनुष्य। तो ऊंच ते ऊंच भगवान वह निराकार ठहरा।"**

A. True

B. False

Q.6) **"वानप्रस्थ में सिर्फ एक ही कार्य रह जाता है - बाप की याद और सेवा। इसके सिवाए और कोई भी याद न आये, उठो तो भी याद और सेवा, सो ओ तो भी याद और सेवा । निरन्तर यह बैलेन्स बना रहे। त्रिकालदर्शी बनकर बचपन की बातें वा बचपन के संस्कारों का समाप्ति समारोह मनाओ, तब कहेंगे वानप्रस्थी।"**

A. False

B. True

Q.7) **वाक्यों /शब्दों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

	Choice	Match
A	पहले पवित्र महाराजायें थे, अभी हैं अपवित्र।	वास्तव में महाराजा तो कोई है नहीं, टाइटल खरीद कर लेते हैं।
B		परन्तु सतयुग वाले हीरे-जवाहरातों के महल तो बनाने की कोई में ताकत नहीं

	भल यहाँ कितने भी अच्छे- अच्छे बड़े महल हैं ,	है।
C	सीढ़ी उतरते-उतरते 84 जन्म लेते हैं,	अभी फिर एक जन्म में चढ़ती कला होती है।
D	जितना बाप को याद करते रहेंगे,	उतना खुशी भी होगी, ताकत मिलेगी।
E	तुम हमेशा समझो कि शिवबाबा समझाते हैं,	तो बुद्धियोग वहाँ लगा रहेगा।

Q.8) **मुरली के अनुसार सभी सही वाक्यों का ही चयन करें---**

- **A.** ☑ ज्ञान और योग में तीखा बन अपना और दूसरों का कल्याण करना है।
- **B.** ☑ रूप-बसन्त बन मुख से सदैव रत्न निकालने हैं ।
- **C.** ☑ अपनी ऊंच तकदीर बनाने का पुरूषार्थ करना है।
- **D.** ☑ अन्धों की लाठी बनना है।
- **E.** ☑ बहुत-बहुत मीठा बनना है।

Q.9) **"सर्व प्राप्तियों से सम्पन्न आत्मा की निशानी है-------, सन्तुष्ट रहो और सन्तुष्ट करो।"**
[निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे सटीक उत्तर से रिक्त स्थान भरे]

- **A.** ◉ सन्तुष्टता
- **B.** ○ प्रसन्नता
- **C.** ○ प्रशंसा
- **D.** ○ शुभ-चिन्तक

Q.10) **"आत्मायें सब अकालमूर्त हैं । वे भृकुटी के बीच में विराजमान होती हैं, जिसे अकालतख्त कहते हैं । मनुष्यों की ही बात की जाती है, जानवरों की तो बात ही नहीं। कोई जानवर की बात पूछे, बोलो पहले अपना तो सुधार करो। सतयुग में तो जानवर भी बड़े अच्छे फर्स्टक्लास होंगे। किचड़ा आदि कुछ भी नहीं होगा। कभी कोई जानवर आदि अन्दर घुस न सके। बड़ी सफाई रहती है।"**

- **A.** ○ False
- **B.** ◉ True